" भिवानी गौरव सम्मान" – 2023

डा. दलीप सिंह

(प्रहलादगढ – दिल्ली)

श्री धर्मेन्द्र यादव

(भिवानी – दिल्ली)

चौधरी बंसी लाल भिवानी गौरव सम्मान (लोक प्रशासन एवं ग्राम विकास)

खेल, साहित्य ,राजनीति,संगीत,कला के क्षेत्रों के साथ –साथ ग्राम विकास और लोक प्रशासन जैसे अनेक क्षेत्रो में भिवानी की छवि देखी जा सकती है । प्रशासनिक सेवा में भिवानी का परचम देश और विदेश में लहराया है डा दलीप सिंह ने ।

डॉ. दलीप सिंह एक वरिष्ठ सिविल सेवक हैं | आप सन 1982 में भारतीय प्रशासनिक सेवा में शामिल हुए । आप हरियाणा कैडर से हैं। आपने हरियाणा और भारत सरकार में वरिष्ठ पदों पर काम किया है। आपको भारत सरकार के सचिव के रूप में सूचीबद्ध किया गया और आप हरियाणा में मुख्य सचिव पद पर बने रहे । 35 वर्षों तक सरकार की सेवा करने और सेवानिवृत्ति के पश्चात आपको सन 2016 में 5 साल की अवधि के लिए हरियाणा के राज्य चुनाव आयुक्त के रूप में संवैधानिक पद पर नियुक्त किया गया था। आपका कार्यकाल अप्रैल 2021 में समाप्त हो गया है।

डॉ. सिंह के पास भारत सरकार के इस्पात, उद्योग, स्वास्थ्य, कृषि, जल आपूर्ति, सिंचाई, सामाजिक न्याय, संसद आदि मंत्रालयों में सेवा करने का व्यापक अनुभव है। आप संसद और राज्य विधानमंडल के साथ-साथ देश में पंचायत और नगरपालिका चुनावों के संचालन में भी शामिल रहे हैं। आप चुनाव प्रक्रियाओं, ईवीएम, आदर्श आचार संहिता और मीडिया के माध्यम से मतदाताओं को प्रेरित करने में अच्छी तरह वाकिफ हैं।

डॉ. दलीप सिंह ने सन 1978 में दिल्ली विश्वविद्यालय से मनोविज्ञान में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। आपने नेतृत्व, मानव संसाधन प्रबंधन और विपणन अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में शोध कार्य के साथ एम.फिल पूरा किया। आपको दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रबंधन में पीएचडी से सम्मानित किया गया था। सन 1982 में डॉ. सिंह ने आईएएस में शामिल होने से पहले 1980-82 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन संकाय में एक संकाय सदस्य के रूप में काम किया। आपको सन 2005 में बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झाँसी (भारत) द्वारा मनोविज्ञान में डी.लिट. की उपाधि से सम्मानित किया गया है। आप कोलंबिया विश्वविद्यालय, यूएसए, जेएफके स्कूल ऑफ गवर्नमेंट, हार्वर्ड-बोस्टन, यूएसए और कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, इंग्लैंड के पूर्व छात्र हैं।

डॉ. सिंह भावनात्मक बुद्धिमत्ता (ई.क्यू.) के विशेषज्ञ हैं और आपने इस विषय पर सेज प्रकाशन द्वारा प्रकाशित एक पुस्तक लिखी है। इस पुस्तक के चार संस्करण आ चुके हैं और इसका चीनी, तमिल, मराठी और हिंदी में अनुवाद भी किया गया है। हाल के दिनों में ई. क्यू. पर आपकी पुस्तक बेस्ट सेलर रही है। आप एक मार्गदर्शक हैं और आपने युवाओं को मनोवैज्ञानिक चुनौतियों के लिए तैयार करने एवं प्रेरित करने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से पहल की है।

सम्प्रति आप नई दिल्ली में रहते हैं।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको चौधरी बंसीलाल भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ ।

बाबू बनारसी दास गुप्त भिवानी गौरव सम्मान (पत्रकारिता)

देश दुनिया की जानकारी प्रदान करने में मीडिया की महती भूमिका है| आज के युग में प्रिंट और इलैक्ट्रोनिक मीडिया ,दोनों ही जन-जन तक पहुंचने के सशक्त माध्यम हैं | पत्रकारिता के क्षेत्र में भिवानी का नाम रोशन किया है श्री धर्मेन्द्र यादव ने |

श्री धर्मेंद्र यादव का जन्म 3 सितंबर 1972 को भिवानी मे श्री रामचंद्र यादव जी के घर हुआ । आपने एम.डी विश्वविद्यालय,रोहतक से स्नातक तथा परा-स्नातक की शिक्षा ग्रहण की । आपने कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र से पत्रकारिता एवं जनसंचार में डिप्लोमा किया।अच्छा संचार कौशल, एक मजबूत टाइपिंग स्पीड और टीम के साथ काम करना आपकी मुख्य विशेषतायें हैं। आपको पत्रकारिता के क्षेत्र में 24 वर्ष का अनुभव है । सन 1998 से 1999 में आप दैनिक हरिभूमि के भिवानी में उप-संपादक रहे । सन 1999 से 2007 तक आप अमर उजाला भिवानी के ब्यूरो चीफ रहे । सन 2007 से 2014 तक आपने दैनिक जागरण रोहतक और सिरसा, हरियाणा के मुख्य संवाददाता का दायित्व निभाया । सन 2014 से 2019 से आप अमर उजाला भिवानी, हरियाणा के मुख्य संवाददाता रहे ।

ईमानदारी में विश्वास रखने वाला व्यक्ति होने के नाते, आप हमेशा अपने सह-कर्मचारियों को अपना सर्वश्रेष्ठ ज्ञान, कौशल और अनुभव देते हैं और अपने अखबार के माध्यम से राष्ट्रीय जनता को वास्तविक और सच्ची खबरें देने के लक्ष्य को हासिल करने में मदद करता हैं ।

सम्प्रति आप चीफ रिपोर्टर, दैनिक जागरण, दिल्ली का दायित्व निभा रहे हैं ।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको बाबू बनारसी दास गुप्त भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ ।

त्रिलोक चंद गोयल

(भिवानी)

राम कृष्ण गुप्ता भिवानी गौरव सम्मान (शिक्षा)

शिक्षा के प्रचार एवं प्रसार में श्री त्रिलोक चंद गोयल का नाम बड़े ही आदर से लिया जाता है। प्रतिष्ठित विद्वान एवम शिक्षाविद श्री गोयल किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं ।

प्रख्यात शिक्षाविद श्री त्रिलोक चन्द गोयल का जन्म 17 जुलाई सन 1941 को हुआ । आपने एम. ए., बी. एड की शिक्षा ग्रहण की ।

आपने अपने जीवन में पूरी निष्ठा व लग्न से कार्य करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में भिवानी में नये आयाम स्थापित किए। आपने सन 1969 में के. एम. ट्रस्ट द्वारा संचालित के. एम. उच्च विद्यालय में विज्ञान

अध्यापक के रूप में कार्य ग्रहण किया तदोपरांत सन् 1974 में इसी विद्यालय के प्राचार्य के पद पर कार्य ग्रहण किया। आप सन् 2001 में 32 वर्ष तक के. एम. उच्च विद्यालय में पूरी निष्ठा व लग्न से अपनी सेवाएं प्रदान करते हुए सेवानिवृत्त हुए। आपने भिवानी शहर में शिक्षा का प्रचार व प्रसार करते हुए सन 2003 में प्ले स्कूल के रूप में लिटिल हार्टस कॉन्वेन्ट स्कूल की स्थापना की व सन 2010 में उसका विस्तार करते हुए एक सीनियर सैकेण्डरी विद्यालय लिटिल हार्टस पब्लिक स्कूल, देवसर का आरम्भ किया व सन 2012 में एक और सीनियर सैकेण्डरी स्कूल लिटिल हार्टस पब्लिक स्कूल, भिवानी के नाम से हालुवास गेट पर आरम्भ किया व वर्तमान में सैक्टर-13 में एक और नया विद्यालय व लोहारू रोड़, कुसुम्भी मोड़ पर लिटिल हार्टस डिग्री कॉलेज का कार्य आपकी देख रेख में चल रहा है। आप वर्तमान में सभी लिटिल हार्टस संस्थाओं में चेयरमैन के पद पर कार्य करते हुए अपना पूरा समय शिक्षा के कार्यों को समर्पित कर रहे है। आप महाराजा अग्रसैन ट्रस्ट भिवानी के संस्थापक सदस्य है । आप हमेशा से ही धार्मिक प्रवृत्ति के रहे है व आपने जीवन पर्यन्त अपने पूरे तन-मन से शिक्षा का प्रचार व प्रसार किया है। आपके द्वारा शिक्षित विद्यार्थी आज देश-विदेश में उच्च पदो पर आसीन है।

सम्प्रति आप भिवानी मे शिक्षा के प्रचार और प्रसार मे रत है ।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको श्री राम कृष्ण गुप्ता भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ।

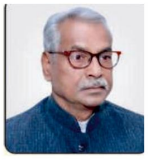

डा. पुरुषोत्तम पुष्प
(भिवानी)

पंडित माधव मिश्र भिवानी गौरव सम्मान (साहित्य)

साहित्य के क्षेत्र में अनेक विभूतियों ने राष्ट्रीय स्तर पर भिवानी जिले को गौरवान्वित किया है ।

डॉ पुरुषोत्तम 'पुष्प' का जन्म श्रावण, कृष्ण पक्ष, दसवीं, विक्रम सं0 2013, गुरुवार, तदनुसार 02 अगस्त 1956 को भिवानी, हरियाणा में हुआ । आपके पिताजी स्व० श्री नेत्रपाल शर्मा, टी. आई.टी. वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, भिवानी के हिंदी प्रवक्ता रहे । आपकी माताजी स्व0 श्रीमती शकुंतला शर्मा जी एक धर्मपरायण व्यक्तित्व थी । आपकी धर्मपत्नी श्रीमती आशा शर्मा हैं ।

आपने बी.एससी., एम. ए. (हिन्दी समाजशास्त्र), बी.एड., ज्योतिष मार्तण्ड, पीएच.डी. की शिक्षा ग्रहण की ।

आप शिक्षा विभाग, हरियाणा से हिन्दी प्रवक्ता के पद से सेवानिवृत्त हुए ।

आपकी साहित्य सृजन की विधा कविता, गीत, गजल, दोहे, अतुकांत एवं ज्योतिषीय शोधालेख, समीक्षात्मक ग्रंथ हैं | आपकी अभिरूचि हिन्दी सेवा, ज्योतिष, कला, समाज-सेवा एवं बागवानी, पूर्णकालिक जीवन हिन्दी सेवा में समर्पित है । आप अनेक संस्थाओं में विभिन्न दायित्वों का निर्वाह कर रहे हैं । शहीद स्मृति सभा, भिवानी के महामंत्री एवं राष्ट्रीय साहित्य साधना मंच, भिवानी के संस्थापक महासचिव हैं ।

अखिल भारतीय ज्योतिष विज्ञान संगठन और पण्डित नेकीराम शर्मा स्मृति ट्रस्ट, भिवानी (साहित्य प्रकोष्ठ) के आप प्रांतीय अध्यक्ष हैं । भारतीय इतिहास संकलन समिति, भिवानी के आप जिला उपाध्यक्ष हैं ।

आपके प्रकाशन हैं - फूलों की चुभन (काव्य संग्रह), मानवता का सूर्य उगाएँ (गीत संग्रह), तरह-तरह के रूप (दोहा संग्रह), साहित्य में सौन्दर्य विवेचन (प्रकाशित) (समीक्षात्मक ग्रंथ), महाकवि उदयभानु हंसः काव्य मीमांसा (समीक्षात्मक ग्रंथ) , अन्त्यानुप्रासिक शब्द कोश, गजल संग्रह एवं भारतीय साहित्य में सौन्दर्य विवेचन एवं अन्य पुस्तकें प्रकाशनाधीन हैं जिनमें दोहा संग्रह,'पथिक' (लघु नाटक)"रिश्तों में नागफनी " गजल हिन्दी , अष्टावक्र गीता (दोहा विधा) शामिल हैं।

भिवानी की माटी, वागर भूमि, शिल्प के स्वर, काव्याकाश, काव्य निर्झर, काव्य सलिला, आकांक्षा, अभिनंदन ग्रंथ, शब्द शिल्पी, आदि, 101 प्रतिनिधि दोहाकार संकलनों में आपका प्रकाशन हैं

श्रीदादू अमर लीला, अभिनंदन गीत (महानायक हरियाणा केसरी पण्डित नेकीराम शर्मा) जीवनवृत्त आदि फिल्मों में आपका गीत लेखन है । रंजनी, उभरते स्वर, विचार दृष्टि, साहित्य परिक्रमा, काव्य गंगा, जर्जर कश्ती, हरिगंधा गोलकोंडा दर्पण, विश्वज्योति, मेकलसुता आदि पत्रिकाओं में प्रकाशन एवं ज्योतिषिय आलेख, अभिनव प्रय सरस्वती सुमन (मासिक) दोहा विशेषांक , अणुव्रत पत्रिका आदि अनेक लब्ध पत्रिकाओं में अनवरत प्रकाशन।'

आपने राष्ट्रीयता के स्वर, अभिनंदन ग्रंथ स्वामी सदानंद जी महाराज, महानायक हरियाणा केसरी पण्डित नेकीराम शर्मा जीवनवृत्त, हरियाणा के गाँधी (काव्य संकलन) पं. नेकी राम शर्मा पुस्तकों का संपादन किया है ।

आपको विभिन्न साहित्यिक सम्मानों ने नवाजा गया है । आप अखिल भारतीय साहित्य परिषद, भिवानी द्वारा 14वें प्रांतीय अधिवेशन में सम्मानित हो चुके हैं जिनमें साहित्य श्री सम्मान , स्व. श्री हरि ठाकुर स्मृति सम्मान (काव्य श्री मानद् उपाधि) , महादेवी जन्मशताब्दी वर्ष के अंतर्गत मधुमिश्रित आकांक्षा विशिष्ट सम्मान, विद्यावाचस्पति मानद् सम्मान , महाकवि उदयभानु हंस कविता सम्मान , अखिल भारतीय ज्योतिष वास्तु एवं धर्मयोग सम्मेलन आयोजक ज्यूपिटर एस्ट्रो विजन, कोटा राजस्थान द्वारा सम्मानित , अखिल भारतीय ज्योतिष विज्ञान संगठन द्वारा ज्योतिष मार्तण्ड से सम्मानित , इण्टरनेशनल वास्तु संगठन द्वारा वास्तुमनीषी सम्मान, जनसेवा सम्मान , निर्मला स्मृति साहित्यिक समिति (रजि.) द्वारा निर्मला स्मृति हिन्दी साहित्य रत् सम्मान , जनसाहित्य सेवा, अखिल भारतीय ज्योतिष विज्ञान संगठन द्वारा ज्योतिष महर्षि सम्मान , राष्ट्रभाषा हिन्दी शिक्षा सम्मान प्रमुख हैं।

आपने अनेक संस्थाओं में हिन्दी कविता प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका, ज्योतिषी सम्मेलनों में व्याख्याकार की भूमिका को निभाया है ।

डा. पुष्प का लेखन अनवरत जारी है। मां शारदा से ये सदा यही कामना करते हैं कि आपकी लेखनी अनवरत चलती रहे।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको पंडित माधव मिश्र भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ ।

श्री राम प्रताप वर्मा

(भिवानी – चंडीगढ)

पंडित गोपाल कृष्ण भिवानी गौरव सम्मान (कला एवं संगीत)

भिवानी जिले के निवासियों ने लगभग हर क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अद्वितीय पहचान बनाई है ।

भिवानी मे जन्में और पले बढे श्री राम प्रताप वर्मा जी ने कला की दुनिया मे अपना विशिष्ट मुकाम हासिल किया है। आप कला जगत के क्षितिज़ पर देदीप्यमान सितारे की भांति स्थापित हैं। आपने सन 1986 में गवर्नमेंट कालेज आफ आर्ट्स चंडीगढ से बैचलर आफ फाइन आर्ट्स की उपाधि प्राप्त की ।

आपने सन 2000 में चंडीगढ ललित कला अकादमी के सदस्य के रूप में , सन 2002-2003 में चंडीगढ साहित्य अकादमी के सदस्य के रूप में तथा सन 2015- 2017 में चंडीगढ ललित कला अकादमी के सचिव पद को सुशोभित किया ।

सन 1988 से पी.एल.के.ए. चंडीगढ, इंडसइंड गैलेरी चंडीगढ , लीला गैलेरी मुम्बई , नेहरु सेंटर मुम्बई और ललित कला अकादमी दिल्ली जैसे विभिन्न सथानों पर आपकी चित्रकारी की एकल प्रदर्शनियां आयोजित की गई । आपको अनेक संस्थानों यथा चंडीगढ प्रशासन, पंजाब ललित कला अकादमी, रोज फेस्टीवल, चंडीगढ ललित कला अकादमी और वार्षिक कला प्रदर्शनी दिल्ली द्वारा अनेक सम्मानों से नवाजा जा चुका है ।

एकल के साथ-साथ, देश विदेश मे आपकी समूह प्रदर्शनियों का भी सफलतापूर्वक आयोजन किया जा चुका है । अनेक प्रदर्शनियों, कैम्पों , संस्थानों मे आपकी सक्रिय सहभागिता रही है ।

आप वृत्तचित्र फिल्मों मे भी अपनी कला का परिचय दे चुके हैं। सन 2018 मे "वर्ली पेंटिंग्स" में आपने कला निर्देशन किया एवं पटकथा लिखी । सन 2020 में "Wall Paintings- The Vanishing Treasure" का प्रोडक्शन किया । संत नामदेव की जीवनी के आप कला निर्देशक हैं।

सरकारी संग्रहालय और आर्ट गैलरी, चंडीगढ़, ललित कला संग्रहालय, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, हरियाणा सरकार, हिमाचल सरकार , कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र, श्री अर्नेस्ट केली, एनसी, यूएसए, सुश्री सी मोलिना, कैलिफोर्निया, यूएसए, श्री ए बंसल, मुंबई, श्री बी एम वत्स, संयुक्त अरब अमीरात और कनाडा, श्री अम्मान जेसानी, यूके, श्री एस सरवंत, यूके, श्री अमित भसीन, नई दिल्ली, श्री ज्योतेन कंदेल, नोएडा, किशोर बी शर्मा, आर्किटेक्ट्स, नई दिल्ली और सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क आफ इंडिया मोहाली जैसे संस्थानों आपके कई निजी संग्रह हैं ।

साउथ-एक्स, नई दिल्ली में फाइबर में भित्ति चित्र तथा हुडा, पंचकुला में दो पर्यावरण मूर्तियां आपके द्वरा रचित हैं । पंचकुला, हरियाणा में लघु भवनों के साथ ट्रैफिक पार्क डिजाइन किया । पंचकुला में सिरेमिक, लौह और मिश्रित मीडिया में भित्ति चित्र का निर्माण किया । चंडीगढ़ में जीवन के मानव विकास संग्रहालय में भित्ति चित्र की रचना की । हुडा के लिए दो वृत्तचित्र फिल्में बनाई । पंचकुला हरियाणा में सिरेमिक में दो बाहरी भित्ति चित्र आपका कमीशन किया गया कार्य है । आप व्यक्तित्व मृदुभाषी और मिलनसार है तथा अपने कार्य के प्रति समर्पित है ।

सम्प्रति आप आप चंडीगढ में रहकर कला के क्षेत्र में नित नये सोपान पर अग्रसर हैं ।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको पंडित गोपाल कृष्ण भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ ।

श्री सुरेंद्र लोहिया

(भिवानी)

श्री सुरजीत सिंह भिवानी गौरव सम्मान (खेल)

खेल की दुनिया में हिंदुस्तान को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक विशेष पहचान दिलाने में जिला भिवानी का नाम विशेष योगदान रहा है । खेलों की इस बगिया को बहुत से बागबाओं ने अपनी कड़ी मेहनत और अथक प्रयत्नों से सिंचित किया है । मिनी क्यूबा के नाम से विख्यात भिवानी जिले की राष्ट्रीय एवम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक अद्वितीय पहचान है ।

पीसीसीएआई के नेशनल प्रेजीडेंट सुरेंद्र लोहिया ने दिव्यांग खिलाड़ियों को दिखाई जीने की एक नई राह दिखाई है । आज खिलाड़ी खेल के साथ मान-सम्मान भी कमा रहे हैं। क्रिकेट टूर्नामेंट, सीरीज के लिए दिव्यांग खिलाडी साधारण यात्रा के बाजाय आज हवाई जहाज, ट्रेन के एसी कोच मे यात्रा कर रहे हैं । दिव्यांग खिलाड़ियों की प्रतिभा आज किसी पहचान या परिचय की मोहताज नहीं है। दिव्यांग खिलाड़ी क्रिकेट एवं अन्य खेलों में निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। कभी टेनिस बाल, लकड़ी के बैट से बिना पेड के मैच खेलने वाले दिव्यांग खिलाड़ी आज आधुनिक सुविधाओं के साथ बेहतरीन पिच पर अपना खेल जौहर दिखा रहे हैं। यह सब छोटी काशी भिवानी के सुरेंद्र लोहिया के नेक प्रयासों और मेहनत से संभव हुआ । आपने मार्च 2014 में बतौर पीसीसीएआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में बागडोर संभाली और उसके बाद पीछे मुडकर नहीं देखा। श्री लोहिया तन-मन-धन से सहयोग कर दिव्यांग खिलाड़ियों को क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। आप स्वयं 40 साल से क्रिकेट से जुडे हुए हैं। तीन दिसंबर 2013 में आपने एक अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान दिव्यांग खिलाड़ियों सुविधाओं के अभाव में खेलते देखा था तब से आपने प्रण लिया कि दिव्यांग होने के बाद भी जिन खिलाड़ियों ने खेल के लिए हिम्मत नहीं हारी उनके लिए वे सहारा जरूर बनेंगे। उसके बाद से सुरेंद्र लोहिया ने पीसीसीएआई के नेशनल प्रेजीडेंट के दायित्व में अन्य सदस्यों के साथ मिलकर दिव्यांग खिलाड़ियों को खेल की हर बेहतरीन सुविधा देने का प्रयास किया है। गौरतलब है कि शारीरिक रूप से दिव्यांग खिलाड़ियों के बीच सकारात्मकता और खुशी का संदेश फैलाने के लिए फिजिकली चैलेंज्ड क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। हर साल हैप कप के आयोजन के साथ-साथ विभिन्न स्थानों पर मैचों का आयोजन करवाया जा रहा है। आपके मार्गदर्शन व खिलाड़ियों की मेहनत के बल पर 28 दिव्यांग खिलाड़ियों को विभिन्न विभागों

में सरकारी नौकरी पर भी नियुक्ति हुई है। दिव्यांग खिलाड़ियों को पहली बार लैदर बाल से खिलाने वाली पीसीसीएआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुरेंद्र लोहिया के अनुसार पीसीसीएआई की ओर से दिव्यांग खिलाड़ियों को हर संभव सुविधा प्रदान की जा रही है। सन 2012 में पहली बार दिव्यांग खिलाड़ियों को लैदर बाल से खिलाना शुरू किया था। इससे पहले वे टेनिस बाल से खेलते थे। पहले साल में केवल एकाध टूर्नामेंट ही होता था अब हर साल हैप कप के अलावा राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट का आयोजन करवाया जा रहा है। आज 28 राज्यों में खिलाड़ियों के लिए स्टेट एसोसिएशन बन चुकी है और लगभग 5000 दिव्यांग खिलाड़ी विभिन्न टीमों में खेल रहे हैं।

पीसीसीएआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र लोहिया के अनुसार क्रिकेट के सीजन के दौरान राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल स्पर्धा दिव्यांग जगत में आने वाले समय में करवाई जाएगी। इसके लिए डीसीसीआई और पीसीसीएआई के द्वारा मास्टर प्लान तैयार किया है। सितंबर माह में उदयपुर टूर्नामेंट के बाद भारत में दिव्यांग जगत की बड़ी इवेंट होगी जिसमें इंग्लैंड टीम भारत में खेलने के लिए आएगी । कोरोना काल के दो साल बाद सन 2022 में लखनऊ में 20 राज्यों का खेल महाकुंभ किया गया। दिसंबर 2022 में हैदराबाद में हैप कप का आयोजन चार फाउंडेशन द्वारा करवाया गया जिसमें आनंद-11 ने ताज अपने नाम किया था। मार्च 2023 में छोटी काशी भिवानी में भारत-नेपाल के बीच तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट टूर्नामेंट करवाया गया जिसमें भारत ने 3-0 से सीरिज जीतकर अपना वर्चस्व कायम रखा ।

सम्प्रति आप दिव्यांगों को खेलों मे बेहतर से बेहतर सुविधाओं के लिये प्रयासरत हैं ।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको सुरजीत सिंह भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ ।

श्री भूपेंद्र जैन

(चरखी दादरी- चंडीगढ)

फकीर चंद भिवानी गौरव सम्मान (सेवा)

छोटी काशी के नाम से विख्यात भिवानी के लोगों में सेवा भाव की भावना सहज ही देखी जा सकती है।

हरि की भूमि हरियाणा के चरखीदादरी में क्षेत्र के ख्यात लोकोपकारक, सुप्रतिष्ठ जागीरदार एवं कई बार नगर पार्षद रहे चौ. ओमप्रकाश जैन के घर 6 जून, सन् 1958 को आपका जन्म हुआ। जीवनपर्यंत लोकप्रिय समाजसेवी, हर जन के दुख-सुख में काम आने वाले विशिष्ट राजनीतिक उसूलों एवं आदर्शों के सशक्त संवाहक आपके पिताजी ने करवट बदलते समय की मांग के अनुरूप जागीरदारी समाप्ति पर अपनी तमाम अतिरिक्त कृषि भूमि काश्त कर रहे समाज के वंचित वर्ग के मुजारों में उदारतापूर्वक बांट दी। तत्कालीन जींद रियासत, जिसमें तब दादरी भी सम्मिलित थी, में प्रजामंडल आंदोलन के संस्थापक व प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी चौ. हीरा सिंह चिनारिया (दिवंगत) जो स्वतंत्र भारत की प्रथम संसद के सांसद थे, इसी परिवार से संबद्ध थे। परिवार की चली आ रही गरिमामय समाजसेवा रूपी विरासत की जो नवीन कोंपलें कालांतर में भूपेंद्र जैन में बाल्यावस्था में फूटनी प्रारंभ हुईं, वे आगे चलकर युवावस्था में उन्हें वटवृक्ष का रूप लेते देर नहीं लगी। आपकी माता श्रीमती ज्ञानवती दया, करुणा, अतिथि सेवा व त्याग की साक्षात देवी थीं।

चरखीदादरी वैश्य हाई स्कूल से मैट्रिक तत्पश्चात् जनता विद्या मंदिर कालेज, चरखीदादरी से स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण की। कक्षा में प्रमुख मेधावी छात्र के रूप में इनके बहुआयामी व्यक्तित्व की संपूर्ण झलक क्षेत्र के लोगों को तब मिली जब सन् 1995 में दादरी में आई भयंकर प्रलयंकारी बाढ़ द्वारा ताण्डव मचाए जाने पर सारा नगर क्षेत्र त्राहि-त्राहि कर उठा, लोगों का जीवन न केवल अस्त-व्यस्त हुआ, अपितु जीवन पर संकट के बादल घिर गए। तब इस आपदा का निस्तारण करने हेतु शहर की छोटी-बड़ी सभी 47 संस्थाओं को मिलाकर बनाए 'ज्वायंट एक्शन ग्रुप' (जाग) के संयोजक बने और प्रत्येक स्तर पर लोगों के जान-माल के रक्षक की भूमिका में उतरे ।

कालेज जीवन में छात्र कल्याण के लिए हुए संघर्षों में कई बार जेल भी गए। इससे पूर्व 1986-87 में प्रथम बार फिर 2003-04 में रोटरी क्लब चरखीदादरी के अध्यक्ष रहे एवं 15 फरवरी 1992 को ओल्ड स्टूडेंट्स एसोसिएशन, जनता कॉलेज, चरखीदादरी के प्रथम प्रधान बने । चरखी दादरी के प्रतिष्ठित फ्रेंड्स क्लब के महासचिव रहे । सन 2003-04 के लिए अखिल भारतीय साधुमार्गी जैन युवा संघ, हरियाणा के क्षेत्रीय संयोजक एवं सन् 2012 में आल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कान्फ्रेंस दिल्ली की मानव सेवा हेतु हरियाणा प्रांतीय अध्यक्ष मनोनीत किया गया। वायर डाइंग इंडस्ट्री एसोसिएशन चरखीदादरी के प्रधान, एमएलआर आयुर्वेदिक कॉलेज चरखी दादरी के महासचिव पद पर कार्य किया।

अनाथ बेसहारा बच्चों के लिए बने 'बाल गोपाल आश्रम' चरखीदादरी के महासचिव पद पर सेवाएं दीं। जैन युवक मंडल चरखीदादरी के संस्थापक/अध्यक्ष, महावीर जैन मिडल स्कूल, चरखीदादरी के अध्यक्ष, जैन समाज चरखीदादरी के अध्यक्ष, महावीर जैन सिलाई स्कूल, चरखीदादरी के अध्यक्ष पद पर सेवाएं प्रदान कीं ।

हज़ारों बच्चों को लाभ प्रदान कर चुकी दादरी एजूकेशन सोसायटी (जिसके अंतर्गत 12 संस्थाएं कार्यरत हैं) एवं सर छोटूराम एजूकेशन सोसायटी, चरखीदादरी के आप एग्जीक्यूटिव सदस्य रह चुके हैं।

सीनियर अंडर ऑफिसर एनसीसी (सी सर्टिफिकेट एंड कलर) चरखीदादरी, रेडक्रॉस सोसायटी, चरखीदादरी एवं यूथ वेल्फेयर सोसायटी, चरखीदादरी के अवार्ड से सम्मानित किये जा चुके हैं। सन 2009 में नेशनल फेडरेशन ऑफ प्रोग्रेसिव एनजीओ , चंडीगढ़ के वाइस चेयरमैन, कम्यूनिटी सर्विस, रोटरी क्लब, चंडीगढ़ के डायरेक्टर पद पर सेवारत

रहे। सन् 2010 से चंडीगढ़ पुलिस में ट्रैफिक मार्शल के रूप में उत्तम सेवाएं देने हेतु 30 अक्तूबर, 2012 को चंडीगढ़ एवं दो अन्य अवसरों पर ट्रैफिक पुलिस द्वारा 'न्यू होरिजन्स अवार्ड - रोड सेफ्टी' सम्मान से नवाजा जा चुका है। कई मंदिरों एवं जैन स्थानकों की

आधारशिला रखने सहित जैन संत-मुनियों की सेवा आतिथ्य में उनके संग सैकड़ों किलोमीटर विहार कर चुके हैं।

भूपेंद्र जैन अनेक साधु-संतों, विशेष रूप से जैन मुनियों की सेवा में पूर्णरूपेण समर्पित रहे। महान जैन संत आचार्य श्री शिव मुनि जी महाराज का इन्हें विशेष सान्निध्य प्राप्त रहा है। जम्मू में एक माह ध्यान शिविर में भूपेंद्र जैन उनके अंग-संग रहे। उनके साथ अनेक आयोजनों, पदयात्राओं में उनके सहयोगी, सेवायात्री बने। उन्हीं की तरह परम तपस्विनी महान जैन साध्वी परम पूज्या हेम कुंवर जी महाराज की पदयात्राओं, धार्मिक आयोजनों में बढ़-चढ़कर सहयोग दिया। उनके भी विशेष कृपापात्र रहे। इसी तरह महान जैन संत आचार्य देवेंद्र मुनि जी महाराज के साथ जयपुर से शिमला तक पदयात्रा सहित आचार्य विजयराज जी महाराज, आचार्य ज्ञानमुनि जी महाराज, आचार्य पन्यास पद्म विजय जी महाराज एवं धर्ममुनि जी महाराज संग अनेक पदयात्राएं कीं एवं अनेक जन-कल्याण कार्यक्रम संपन्न करवाए। इनकी विशेष कृपा प्राप्त की उन के अग्रणी एवं प्रियजनों जनों में शुमार रहे। इनके अलावा जीवन में अनेक साधु-संतों का विशेष अनुग्रह इन्हें मिला है।

विभिन्न समाजसेवी संगठनों एवं सरकार से समय समय पर जन कल्याण कार्यों हेतु सम्मानित सच्चे कर्मयोग के अथक पथिक भूपेंद्र जैन सुविख्यात ध्यानयोगी ब्रह्मर्षि पत्री जी महाराज द्वारा स्थापित पिरामिड स्प्रिचुअल मेडिटेशन सोसायटी के उत्तर भारत के अध्यक्ष पद पर रहते हुए देश के अनेक भागों में आम जनता के लिए ध्यान शिविर आयोजित कर मानव सेवा में निरंतर रत हैं।

पूज्य माता-पिता के दर्शाए मानव सेवा के पथ पर चलते हुए उनकी पावन स्मृति में सन् 1999 में समाज के गरीब, असहाय जनों के कल्याणार्थ ज्ञानवती ओपी जैन मेमोरियल ट्रस्ट बनाकर समाजसेवा में अनवरत महती योगदान कर रहे हैं। ट्रस्ट अब तक समाज के सब वर्गों / क्षेत्रों विशेषकर बस्तियों, कॉलोनियों, नगरों, शहरों, मंदिर, मस्जिद, चर्च एवं गुरुद्वारों में सैकड़ों मेडिकल, हृदयरोग चिकित्सा, रक्तदान शिविर लगा चुका है।

इन चिकित्सा शिविरों में विशेष रूप से एस्कार्ट हार्ट इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली; अपोलो हॉस्पिटल, नई दिल्ली; मेदांता मेडिसिटी, गुड़गांव, सिविल अस्पताल चरखीदादरी, भिवानी; एमएलआर आयुर्वेदिक कॉलेज चरखी दादरी; मेडिकल कॉलेज रोहतक (वर्तमान पीजीआई, रोहतक); पीजीआई, चंडीगढ़ एवं जीएमसीएच सेक्टर-32, चंडीगढ़ के विशेषज्ञ डाक्टरों की सेवाएं प्रदान कर ज्ञानवती-ओपी जैन मेमोरियल ट्रस्ट अगणित जनों को उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं मुहैया करा चुका है।

समाज एवं देश हेतु चिकित्सा क्षेत्र में ट्रस्ट की अप्रतिम सेवाओं के लिए भूपेंद्र जैन को मेदांता मेडिसिटी के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर विश्वविख्यात डॉ. नरेश त्रेहन, चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा एवं पीजीआई चंडीगढ़ द्वारा आपको 'सर्टिफिकेट ऑफ एप्रिसिएशन' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। स्वास्थ्य विभाग, चंडीगढ़ द्वारा अक्तूबर 2009 में 'सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर' पुरस्कार एवं अनेक अन्य सरकारी विभागों और संस्थाओं द्वारा अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

मेडिकल शिविर लगाने इत्यादि हेतु श्री जैन अनेक संस्थाओं द्वारा सम्मानित किए गए हैं। यह सिलसिला अनवरत जारी है। रक्तदान शिविरों का आयोजन कर विभिन्न अस्पतालों एवं 3300 आई डोनेशन फार्म दानियों से भरवाकर पीजीआई, चंडीगढ़ में देने का गौरव भूपेंद्र जैन प्राप्त कर चुके हैं।

समाज सेवा एवं मानवीय मूल्य आधारित राजनीति की परम्परा के क्रम में पिता चौ. स्व. श्री ओमप्रकाश जैन की ईमानदारी, निष्ठा, कर्मठता एवं समाज सेवा जैसे जीवन मूल्य तो जैसे रक्त में ही घुलकर इनको जन्म से ही मिल गए। जैसा कि इनके जीवन-वृत्त से स्पष्ट परिलक्षित होता है, निजी लाभ, स्वार्थ, दलगत राजनीति के संकीर्ण दायरों से कोसों दूर रहकर अपने बुजुर्गों द्वारा पोषित उच्च मानवीय मूल्यों की अमर विरासत को इन्होंने न केवल संजोकर रखा अपितु उस मुकाम तक ले गए, जहां चंद लोग ही पहुंच पाते हैं।

दीन-वंचितों की सहायता, समाज- राष्ट्र एवं मानवता की सेवा में अहर्निश समर्पित अनथक योद्धा भूपेंद्र जैन वर्तमान में ज्ञानवती ओपी जैन मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे तमाम समाज सेवा कार्यों के साथ-साथ उत्तर भारत पिरामिड ध्यान प्रचार ट्रस्ट के वर्तमान अध्यक्ष एवं विश्वविख्यात सिद्धेश्वर धाम ब्रह्मर्षि आश्रम तिरुपति द्वारा समाज सेवा, राष्ट्र निर्माण, विश्व एवं अखिल मानवता के कल्याण मिशन में दिन-रात जुटे विश्व धर्म चेतना मंच के राष्ट्रीय संयोजक के महत्वपूर्ण पद पर बखूबी सेवा कार्यों को अंजाम दे रहे हैं।

ब्रह्मर्षि आश्रम द्वारा इनको विशेष सेवाओं के लिए 7 जुलाई, 2009 को 'निष्काम सेवक' एवं 6 जुलाई, 2014 को सेवक रत्न पुरस्कार से नवाजा जा चुका है।

श्री भूपेंद्र जैन के आयोजकत्व में विश्वधर्म चेतना मंच ब्रम्हर्षि आश्रम तिरुपति आंध्र प्रदेश का वर्ष 2015 का गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनीमाजरा के कलाग्राम, चंडीगढ़ में संपन्न हुआ, जिसमें परमपूज्य सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुर्वानंद जी स्वामी 'गुरुदेव' जी ने धर्म और समाज कल्याण में भूपेंद्र जैन की अप्रतिम, अद्भुत सेवाओं को देखते हुए 31 जुलाई सन् 2015 को इन्हें प्रथम 'भक्त शिरोमणि परिवार' पुरस्कार से सम्मानित किया । परम पूज्य गुरुदेव ने उनकी धर्मपत्नी श्रीमती वंदना जैन व पुत्रों श्री परीक्षित जैन एवं ऋषभ जैन की धर्म और समाज के प्रति इन्ही की तरह अथक सेवाओं का विशेष उल्लेख किया।इनका पूरा ही परिवार परम पूज्य गुरुदेव जी का विशेष कृपापात्र है।

आप समाज सेवा के अनेक कार्यों में सक्रिय रूप में समर्पित हैं । भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको फकीर चंद भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ ।

श्री रवि दधीच

(भिवानी – दिल्ली)

पंडित नेकी राम शर्मा भिवानी गौरव सम्मान (राष्ट्र सेवा)

जिस समाज और देश ने हमे बहुत कुछ दिया है उसके प्रति भी हमारा कुछ दायित्व बनता है। इस उक्ति को दिल में उकेरा है श्री रवि दधीच ने ।

सन 1978 से 1988 तक हलवासिया विद्या विहार भिवानी से अपनी स्कूली शिक्षा प्राप्त करने वाले और स्वर्गीय प्रोफेसर डॉ. आर.डी. शर्मा और श्रीमती कुमकुम दाधीच के पुत्र, श्री रवि दाधीच सन 1996 में आईएएस एलाइड में चयनित हुए और एसडीएम, प्रीत विहार, दिल्ली के रूप में अपना कैरियर शुरू किया। बाद में आपने डीडीए के उपाध्यक्ष के ओएसडी, दिल्ली के उपराज्यपाल के ओएसडी और दिल्ली के मुख्यमंत्री के अतिरिक्त सचिव के रूप में भी काम किया। आपके पास एनडीएमसी, डीयूएसआईबी, आईपी यूनिवर्सिटी, दिल्ली टूरिज्म जैसे विभिन्न विभागों में और दिल्ली सरकार में वित्त सचिव के रूप में काम करने 27 वर्षों से अधिक का प्रशासनिक अनुभव है।

वर्तमान में आप पूरे भारत में 10,000 से अधिक जन औषधि केंद्रों के माध्यम से जनता को सस्ती दवाएं उपलब्ध कराने की प्रधान मंत्री की प्रमुख परियोजना को संभाल रहे हैं। इस लोक कल्याण योजना द्वारा पिछले 9 वर्षों में नागरिकों की 23,000 करोड़ रुपये से अधिक की बचत हुई है।

सम्प्रति श्री रवि दाधीच फार्मास्यूटिकल्स एंड मेडिकल डिवाइसेज ब्यूरो ऑफ इंडिया (पीएमबीआई) के सीईओ हैं, जो पूरे देश में प्रधानमंत्री जनऔषधि परियोजना को लागू करती है।

सम्प्रति आप समाज एवं राष्ट्र सेवा के विभिन्न आयोजनों में सक्रिय रूप से जुड़े हैं।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको पंडित नेकी राम शर्मा भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ ।

डा. कामना कौशिक

(भिवानी)

नारायणी देवी - महावीर प्रसाद भग्गनका सम्मान (ओजस्विनी)

डॉ कामना कौशिक धर्मपत्नी श्री कमल भारद्वाज हरियाणा के प्रतिष्ठित वैश्य महाविद्यालय, भिवानी में

एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है। वैश्य महाविद्यालय भिवानी से पूर्व सी. एम. के. नेशनल महाविद्यालय सिरसा में 11 जुलाई 2008 से 21 अक्टूबर 2022 तक आपने विभागाध्यक्ष हिन्दी के रूप में कार्य किया तत्पश्चात वैश्य महाविद्यालय भिवानी में कार्यभार ग्रहण किया । आपने डॉ. जगदीश गुप्त के काव्य में "युगबोध" विषय पर पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा मद्रास से डी.लिट. (डॉक्टरेट ऑफ लिटरेचर) का शोध कार्य समापन चरण पर है। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय ज्वलंत सामाजिक मुद्दों पर 12 संगोष्ठियाँ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

हिंदी साहित्य के विभिन्न पहलुओं पर और वर्तमान ज्वलंत मुद्दों पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में आपके 50 शोधपत्र प्रकाशित है। राष्ट्रीय अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर 60 सेमिनारों में आपने पेपर प्रस्तुत किए हैं। इसी श्रृंखला में लगभग 130 राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित संगोष्ठियों , कार्यशाला , संकाय विकास कार्यक्रम इत्यादि में ऑनलाइन माध्यम से सक्रिय प्रतिभागिता की है ।

शोध कार्य के अलावा आपके द्वारा संपादित तीन पुस्तकों का प्रकाशन हो चुका है। सामाजिक – आर्थिक सर्वे में नोडल अधिकारी के रूप में आपके द्वारा सर्वोत्कृष्ट कार्य किया गया और महाविद्यालय को अपनी श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ जिसके लिये उच्चतर शिक्षा हरियाणा द्वारा महाविद्यालय को राज्य स्तरीय अवार्ड से नवाजा गया । कोविड 19 महामारी में मुख्य संपादिका के रूप में दो वर्ष महाविद्यालय पत्रिका का सफल प्रकाशन कार्य किया गया और कोविड में स्वयंसेवकों के माध्यम से अन्न, फल एवं मास्क वितरित करने का कार्य किया । राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी के रूप में विभिन्न पाठ्य सहगामी गतिविधियों का आयोजन आपके द्वारा किया गया। आप ख्याति प्राप्त पर अन्तरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में संपादक सदस्य का दायित्व भी निर्वहन कर रही है । आपके दिशा निर्देश में वृक्षारोपण, स्वास्थ्य जाँच एवं दान हेतु समय-समय पर शिविर आयोजित किए गए । नशा मुक्ति , ड्रग्स एब्यूज, पर्यावरण सुरक्षा, साइकिल प्रयोग एवं प्लास्टिक मुक्त भारत, रक्तदान महादान एचआईवी/एडस आदि ज्वलंत मुद्दों नाटक, रैली , विस्तृत व्याख्यान, काव्य पाठ एवं पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित कर ज्वलंत मुद्दों पर जागरूकता अभियान चलाए गए। सन 2023 में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एक एवं नार्थ वेस्टर्न रेलवे एम्पलाइज यूनियन हिसार शाखा के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान कार्यक्रम आयोजित किया गया । शिविर में 200 यूनिट एकत्रित की गई। 2 अक्टूबर 2023 को मानव कल्याण के लिए समर्पण भाव से कार्य करने वाली हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री बाबू बनारसी दास गुप्त की पुत्रवधु व नारी शक्ति सम्मान से सम्मानित स्वर्गीय श्रीमती दर्शना गुप्ता की स्मृति में कैंसर रोगियों की सहायतार्थ रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर आयोजित कर 150 यूनिट एकत्रित की गई । आपके मार्गदर्शन में स्वयंसेवकों ने राष्ट्रीय एकता शिविर एवं साहसिक शिविर में भाग लिया । आप विभिन्न विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित युवा समारोह में निर्णायक का दायित्व निभा चुकी है। आप विश्वविद्यालय उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा द्वारा गठित विभिन्न समितियों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए अपने कर्तव्य का निर्वहन कर चुकी है। आपके शैक्षणिक, सामाजिक व प्रशासनिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिये आपको हिन्दी संस्थान मारीशस, हरियाणा सरकार , लायंस क्लब सिरसा, लायंस क्लब भिवानी इत्यादि अनेक संगठनों द्वारा सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त युवा जागृति एवं जन कल्याण मिशन ट्रस्ट के द्वारा डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन राष्ट्रीय शिक्षक अवार्ड से सम्मानित किया गया। राज्य स्तरीय हिन्दी दिवस सम्मान समारोह में त्रिवेणी संस्था द्वारा सम्मानित किया गया आप शतप्रतिशत दिव्यांग होने के बावजूद आपने अपने कार्यों का उत्कृष्टता से निर्वहन करती है जिसके लिये विभिन्न मंचों पर आपके द्वारा किये गये कार्यों की आन्तरिकता से प्रशंसा की जाती है।

सम्प्रति आप वैश्य कालेज भिवानी में हिंदी के असोशिएट प्रोफेसर का दायित्व निभा रही हैं ।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको नारायणी देवी - महावीर प्रसाद भग्गनका ओजस्विनी सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ ।